हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

# केशववाणी

शुक्रवार 15 मई 2026 बर्ष 02 अंक 128 पृष्ठ 4

www.keshavtv24.com

Email:keshavtvbihar@gmail.com


**अनमोल वचन**

*जीवन में शांति चाहते हैं तो दुसरों की शिकायतें करने से बेहतर है खुद को बदल लें। क्योंकि पुरी दुनिया में कारपेट बिछाने से खुद के पैरों में चप्पल पहन लेना अधिक सरल है।*

## पत्नी मंजू देवी की पुण्यतिथि पर कल्याण बीघा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

### रामलखन सिंह वाटिका में पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

**केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट**

**कल्याण बीघा (नालंदा)।** बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नितीश कुमार गुरुवार को नालंदा जिले स्थित अपने पैतृक गांव कल्याण बीघा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपनी दिवंगत पत्नी मंजू देवी की 19वीं पुण्यतिथि पर रामलखन सिंह वाटिका पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान पूरा माहौल भावुक बना रहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने स्मृति स्थल पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत पत्नी को नमन किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार भी मौजूद रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी रही। नीतीश कुमार के गांव आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत गांव और कार्यक्रम स्थल के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आने–जाने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी।ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री हर वर्ष अपनी पत्नी मंजू देवी

की पुण्यतिथि पर गांव पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत भी किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। गौरतलब है कि मंजू देवी का निधन वर्ष 2007 में हुआ था। उनके निधन के बाद से नीतीश कुमार हर साल उनकी पुण्यतिथि पर कल्याण बीघा पहुंचकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं।

## 18 मई को नालंदा में लगेगा रोजगार मेला

### कल्याण ज्वेलर्स करेगी भर्ती, 10वीं पास से ग्रेजुएट युवाओं को मिलेगा मौका

**केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट**

**बिहारशरीफ (नालंदा)।** जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में 18 मई 2026 (सोमवार) को जिला नियोजनालय, नालंदा द्वारा एक दिवसीय जॉब कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला संयुक्त श्रम भवन स्थित जिला नियोजनालय परिसर, ब्लॉक कैंपस बिहारशरीफ में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। जिला नियोजन पदाधिकारी मोहम्मद अकीफ वक्कास ने बताया कि जॉब कैंप में कल्याण ज्वैलर्स इंडिया लिमिटेड भाग ले रही है। कंपनी द्वारा विभिन्न पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निजी क्षेत्र की नियुक्ति होगी, इसलिए सेवा शर्तों के लिए संबंधित कंपनी जिम्मेदार होगी, जबकि जिला नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा। जॉब कैंप में एडमिन एग्जीक्यूटिव, कंप्यूटर ऑपरेटर, सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेल्समैन, जूनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव, ऑफिस बॉय, सुपरवाइजर, आरएचओ फ्लोर एवं हॉस्टर ट्रेनी कुक सहित कई पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 10वीं पास से लेकर स्नातक एवं एडीसीए योग्यताधारी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अधिकांश पदों के लिए आयु सीमा 20 से 25 वर्ष निध.रित की गई है, जबकि कुक पद के लिए 18 से 40 वर्ष तक के अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे।कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 17 हजार से 30 हजार तक मासिक वेतन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। चयनित युवाओं की नियुक्ति बिहार समेत देश के विभिन्न राज्यों में की जाएगी। जॉब कैंप में एडमिन एग्जीक्यूटिव के 20 पद, कंप्यूटर ऑपरेटर के 20 पद, सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव के 10 पद, सेल्समैन के 30 पद, जूनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव के 20 पद, सेल्समैन ट्रेनी के 30 पद, ऑफिस बॉय के 10 पद, सुपरवाइजर के 10 पद, आरएचओ फ्लोर के 20 पद एवं हॉस्टर ट्रेनी कुक के 10 पदों पर बहाली की जाएगी। जिला नियोजन पदाधिकारी ने इच्छुक युवाओं से अपील की है कि वे अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र, बायोडाटा एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर पहुंचकर रोजगार मेले का लाभ उठाएं।

## राजकीय मलमास मेला 2026 की तैयारियों का डीएम–एसपी ने किया निरीक्षण

### श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेंट सिटी, स्वास्थ्य शिविर, सीसीटीवी, रिंग बस सेवा और विशेष सुरक्षा व्यवस्था

**केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट**

**राजगीर (नालंदा)।** राजकीय मलमास मेला 2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 13 मई 2026 को जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने राजगीर पहुंचकर मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

**15 स्थानों पर बनाए गए आवासन स्थल**

डीएम ने बताया कि मलमास मेला के दौरान देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के ठहरने के लिए वीआईपी टेंट सिटी सहित कुल 15 स्थानों पर जर्मन हैंगर और टेंट पंडाल के माध्यम से आवासन स्थल तैयार किए गए हैं। इन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य शिविर, हेल्प डेस्क, पुलिस शिविर, सीसीटीवी और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

**पहली बार योजनाबद्ध तरीके से तैयार हुआ मेला लेआउट**

इस वर्ष पहली बार संपूर्ण मेला क्षेत्र, ब्रह्मकुंड परिसर और वैतरणी क्षेत्र का लेआउट प्लान तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से मेले की तैयारी की गई है। भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए ब्रह्मकुंड परिसर में लोहे का जिग–जैग बैरिकेडिंग बनाया गया है। श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत देने के लिए यहां मिस्ट फैन और मिस्ट कूलर लगाए गए हैं। साथ ही एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भक्तिमय कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा।

**आपदा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था**

प्रशासन द्वारा पहली बार जिग–जैग से लेकर ब्रह्मकुंड तक रेड कॉरिडोर बनाया गया है, जिसका उपयोग केवल आपात स्थिति में किया जाएगा। भीड़ नियंत्रण के लिए कई स्थानों पर ड्रॉप गेट, बफर जोन और होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दल की भी तैनाती की गई है। ब्रह्मकुंड, सप्तधारा निकास द्वार और अन्य संवेदनशील स्थानों पर ऑडियो–विजुअल कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी कंट्रोल रूम से की जाएगी। ब्रह्मकुंड में ऑक्सीजन लेवल मापक यंत्र भी लगाया गया है। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए 180 आपदा मित्रों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

**सरस्वती कुंड और वैतरणी का हुआ सौंदर्यीकरण**

सरस्वती नदी की उड़ाही, वैतरणी कुंड की सफाई, मरम्मत और रंगाई–पुताई के साथ 3डी पेंटिंग कराई गई है, जिससे क्षेत्र को आकर्षक रूप दिया गया है। प्रशासन का दावा है कि इससे श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव मिलेगा।

**पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक इंतजाम**

मेला क्षेत्र में 30 स्थानों पर 300 प्याऊ और 125 स्टैंड पोस्ट के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा 20 नए चापाकल लगाए गए हैं तथा 60 चापाकलों की मरम्मत कराई गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 1000 एफआरपी शौचालय (550 पुरुष एवं 450 महिला), 75 यूरिनल तथा नगर परिषद द्वारा 280 अस्थायी शौचालय बनाए गए हैं। साफ–सफाई के लिए बड़ी संख्या में कर्मियों की तैनाती की गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 8 अस्थायी अस्पताल, 18 स्वास्थ्य शिविर, 16 एंबुलेंस और 4 चलंत चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। अनुमंडलीय अस्पताल राजगीर एवं भगवान महावीर चिकित्सा विज्ञान संस्थान में भी विशेष तैयारी की गई है।

**'दीदी की रसोई' और रिंग बस सेवा की व्यवस्था**

श्रद्धालुओं को सस्ते एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए 14 स्थानों पर 25 दीदी की रसोई स्टॉल लगाए गए हैं। वहीं आवागमन को सुगम बनाने के लिए रिंग बस सेवा शुरू की गई है। 12 स्थानों पर पार्किंग स्थल भी बनाए गए हैं।

**सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, वॉच टावर और अग्निशमन दल तैनात**

मेला क्षेत्र और आवासन स्थलों की निगरानी के लिए 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा 16 वॉच टावर और 38 टीओपी बनाए गए हैं, जहां पुलिस बल की तैनाती की गई है। अग्निशमन व्यवस्था के तहत 30 अग्निशमन वाहन और 250 अग्निशमन कर्मियों की तीन पालियों में प्रतिनियुक्ति की गई है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पूजा समिति के सदस्य, पांडा समाज एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री के राजगीर दौरे को लेकर नो–फ्लाई जोन घोषित

### ड्रोन, हॉट एयर बैलून और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं के उपयोग पर रहेगा प्रतिबंध

**केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट**

**राजगीर (नालंदा)।** जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार ने जानकारी दी है कि राजकीय मलमास मेला के अवसर पर 17 मई 2026 को बिहार के माननीय मुख्यमंत्री का नालंदा जिला अंतर्गत राजगीर भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के राजगीर परिभ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के दृष्टिकोण से कार्यक्रम स्थल को अस्थायी रेड जोन एवं नो–फ्लाई जोन घोषित किया गया है। यह आदेश मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, मंच एवं मेला क्षेत्र पर लागू रहेगा। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान ड्रोन, हॉट एयर बैलून, पैरा मोटर्स, पैरा ग्लाइडर्स, पावर्ड हैंड ग्लाइडर सहित अन्य गैर–पारंपरिक उड़ने वाली वस्तुओं के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस संबंध में अनुमंडल पदा.धिकारी राजगीर एवं अनुमंडल पुलिस पदा.धिकारी राजगीर को निर्देश दिया गया है कि वे आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराएं तथा पूरे क्षेत्र में सघन निगरानी रखें। राजकीय मलमास मेला को लेकर राजगीर में पहले से ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है। ऐसे में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा और विधि–व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरत रहा है।

# किशोरियों को सुरक्षा और अधिकार के बारे में जानना जरूरी - अनीता कुमारी गुप्ता

## किशोरावस्था स्वास्थ्य की नींव रखने का समय – संजय मिंज

**केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)।** किशोरावस्था स्वास्थ्य की नींव रखने का समय है। बच्चियां देश का भविष्य हैं। इसलिए उनका एनीमिया–मुक्त होना जरूरी है। उनका पोषण स्तर बेहतर होना और मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक होना जरूरी है। ये बातें बिहार वॉटर डेवलपमेंट पटना के एडमिनिस्ट्रेटर संजय मिंज ने गुरुवार को राजगीर में हमारी पाठशाला फेज चार के तहत किशोरियों के लिए दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर में कहीं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ किशोरी ही स्वस्थ समाज की निर्माता बन सकती है। समाजसेवी अनीता कुमारी गुप्ता ने कहा कि किशोरियों को सुरक्षा और अधिकार के बारे में जानकारी रखना जरूरी है। गुड टच, बैड टच व अपने शरीर के बारे में जानें। कोई गलत तरीके से छुए तो 'ना' कहें और तुरंत भरा. सेमंद व्यक्ति को बताएं। 18 साल से पहले शादी गैरकानूनी है। बाल विवाह, दहेज, घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएं। कोई भी दिक्कत हो तो 1098 चाइल्ड हेल्प. लाइन या 181 महिला हेल्पलाइन पर कॉल करें। एलॉयसियस ओस्ता ने बताया कि प्रशिक्षण में किशोरियों को माहवारी के दौरान स्वच्छता, संतुलित आहार, आयरन की कमी से बचाव और मानसिक तनाव से निपटने के तरीकों पर विशेष सत्र दिए जाएंगे। किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक–मानसिक बदलावों को समझना और उनसे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य है। प्रशिक्षक अंजनी कुमारी ने किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों, सरकारी योजनाओं जैसे किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड अनुपूरण और सेनेटरी पैड वितरण योजना की जानकारी दी। उन्होंने 'चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो' का संदेश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर संकोच नहीं करना चाहिए। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन पटना के एडमिनिस्ट्रेटर संजय मिंज, राजगीर की प्रसिद्ध महिला समाजसेवी अनिता कुमारी गुप्ता, जिला स्तरीय प्रशिक्षक अंजनी कुमारी, परियोजना समन्वयक एलॉयसियस ओस्ता और टीम सुपरवाइजर साहिल राज ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर भीम पासवान, फिरोज कुमार, रूपा कुमारी, संगीता कुमारी, सुनीता कुमारी, किरण कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

# रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क किनारे लगती है स्थायी दुकानें

## हल्की बारिश होने पर सड़क पर जमा हो जाता है पानी, परेशानी

**केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)।** पर्यटक नगरी के रेलवे स्टेशन से बाहर पार्किंग स्थल व सड़क किनारे गुमटीनुमा स्थायी दुकानों की भरमार लगी रहती है। लोगों ने कहा कि जब रेलवे के बड़े अधिकारी राजगीर भ्रमण व निरीक्षण को आते हैं तो यहां की रेल पुलिस इन गुमटीनुमा दुकानों को हटवा देती है और जाने के बाद फिर से दोबारा रेल पुलिस की मर्जी से यहां पर दुकानें सजा दी जाती है। हालांकि इन दुकानों से आने वाले रेल यात्रियों को फायदा ही होता है। मलमास मेला लगने वाला है। ऐसे में रेलवे के ग्राउंड में टेंट हाउस बनाया गया है। इसके बाद सड़क किनारे काफी कम जगह बच गयी है। इसके बाद भी पार्किंग के पास बनाये गये पाथवे पर स्थायी गुमटी लगी हुई है। वहीं लोगों ने बताया कि हल्की बारिश हो जाय तो रेलवे स्टेशन को जाने वाली सड़क में मैदान के पास सड़क पर पानी जमा हो जाता है। इस पर अब तक रेल प्रशासन व आम प्रशासन ने कोई ठोस पहल नहीं किया है। इस कारण वहां से होकर गुजरने वाले यात्रियों को काफी परेशानी होती है। रेलवे ग्राउंड में बनाये गये टेंट से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत मिलेगी।

# वैतरणी नदी घाट में बंद हो गयी सोई, घाट में है पानी की कमी

## कैसे मोक्ष पायेंगे मलमास में आने वाले श्रद्धालु

**केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)।** मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को मोक्ष देने वाली नदी अब नाला का रूप ले लिया है। पहले यह नदी कभी पानी की सोई के लिए जानी जाती थी। नदी घाट पर अंदर से सोई फूटती थी। इससे यहां सालों भर पानी की कोई कमी नहीं होती थी। लोगों की मानें तो यहां पर राजगीर के लोग जाकर डुबकी लगाते थे और ठंडे जल में गर्मी के दिनों में स्नान करते थे। इस नदी के बारे में ऐसी मान्यता भी रही है कि मेला के समय श्रद्धालु इसके एक तट से दूसरे तट को गाय की पूंछ पकड़कर पार करते हैं। ऐसा करने से उन्हें सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है। सालों पहले जब नदी का सौंदर्यीकरण किया गया तो इसके तट में ढलाई कर दी गयी। किनारे में पत्थर लगा दिये गये। इससे इसकी सोई बंद हो गयी। वहीं नदी की चौड़ाई कम हो गयी। वहीं मेला को लेकर इसकी सफाई की गयी है। वहीं प्रशासन द्वारा बोरिंग चलाकर इसमें पानी करने का काम चल रहा है।

**मोक्षदायनी है वैतरणी**

वैतरणी नदी घाट मोक्षदायनी तट है। इसमें पुराने समय से ही पिण्ड दान व नदी तट को गाय की पूंछ पकड़कर पार करने की परम्परा चली आ रही है। यहां पर देश के विभिन्न कोने के अलावा नेपाल व अन्य देश के श्रद्धालु पिण्ड दान के लिए आते रहे हैं। ऐसी मान्यता रही है कि जो इस नदी तट को गाय की पूंछ पकड़कर पार कर लेता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

# मलमास मेला में भी रास्ते पर बह रहा गंदा पानी, नहीं हो सकी नाले की सफाई

## रेलवे स्टेशन से पंचवटी होते बस स्टैंड जाने का है रास्ता, बदबू व गंदे पानी से होकर गुजरने को विवश हैं स्कूली बच्चे

**केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)।** पर्यटक नगरी के वार्ड–21 में पिछले कई दिनों से सीवरेज का गंदा बदबूदार पानी रास्ते पर बह रहा है। मलमास मेला महज एक दिन बाद ही शुरू होने वाला है। इसके बाद भी अब तक इसे देखने वाला कोई नहीं है। मेला में हज. ारों की संख्या में रोजना दूसरे शहरों से राजगीर श्रद्धालु आयेंगे। इस रास्ते से होकर हजारों लोग पैदल जाते हैं। इसके बाद भी नगर परिषद के अधिकारी व स्थानीय पार्षद को इसकी परवाह नहीं है। लोगों ने कहा कि एक तो इस सड़क को निर्माण भी काफी निम्न स्तर का हुआ था। एक माह बाद ही गिट्टी निखर कर खतरनाक हो गया है। बच्चे आये दिन इस पर गिरकर घायल हो रहे हैं। इसके बाद भी अब तक नगर परिषद के अधिकारियों की नींद नहीं खुली है। वे आंख बंद कर कार्यों को पास कर देते हैं। लोगों ने कहा कि मलमास मेला जैसा पवित्र पर्व एक दिन बाद ही शुरू होने वाला है। सफाई नहीं होने के कारण पंचवटी नगर के रास्ते से होकर बस स्टैंड तक जाने वाले श्रद्धालुओं को इसी गंदे पानी से होकर जाना होगा। वहीं स्कूली छात्रों को भी इससे होकर की रोजना जाना पड़ता है। लोगों ने जिला प्रशासन से इसे तुरंत साफ करवाने की मांग की है।

# राजगीर मलमास मेले का काला सच – थिएटर में संस्कृति की जगह अश्लीलता का कब्जा

**केशववाणी संवाददाता राकेश कुमार हरनौत (नालंदा)।** बिहार की ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी राजगीर सदियों से अपनी आध्यात्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए प्रसिद्ध रही है। यहां लगने वाला मलमास मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति, कला, संगीत और सामाजिक जीवन का भी महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। हर तीन वर्ष पर लगने वाला यह मेला देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनता रहा है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि मलमास मेले के दौरान राजगीर में 33 करोड़ देवी–देवताओं का वास होता है। इसी आस्था के कारण लाखों श्रद्धालु इस अवधि में राजगीर पहुंचकर विभिन्न कुंडों में स्नान, पूजा–अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। लेकिन समय के साथ इस मेले की सांस्कृतिक पहचान में बड़ा बदलाव आया है। एक समय था जब मलमास मेले में लगने वाला थिएटर लोगों के मनोरंजन का सबसे बड़ा माध्यम हुआ करता था। थिएटर केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला मंच था। वहां प्रस्तुत नाटक सामाजिक कुरीतियों, पारिवारिक मूल्यों, देशभक्ति, प्रेम, त्याग और नैतिकता जैसे विषयों पर आधारित होते थे। गांव से लेकर शहर तक के लोग रातभर बैठकर नाटक देखते थे। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी वर्ग के लोग थिएटर का आनंद लेते थे। लेकिन आज वही थिएटर अपनी मूल पहचान खोता जा रहा है।

करीब दो दशक पहले तक राजगीर के मलमास मेले में थिएटर का अलग ही महत्व हुआ करता था। मेले में एक महीने तक प्रतिदिन अलग–अलग नाटक खेले जाते थे। कलाकार अपनी अभिनय कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। उस समय थिएटर में पारिवारिक माहौल होता था। लोग पूरे परिवार के साथ नाटक देखने पहुंचते थे। मंच पर कलाकारों की संवाद शैली, संगीत, भाव–भंगिमा और सामाजिक संदेश लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ते थे। कई नाटक ऐसे होते थे जिन्हें देखने के बाद लोग घंटों तक उसकी चर्चा करते थे। बिहार की ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी राजगीर सदियों से अपनी आध्यात्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए प्रसिद्ध रही है। यहां लगने वाला मलमास मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति, कला, संगीत और सामाजिक जीवन का भी महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। हर तीन वर्ष पर लगने वाला यह मेला देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनता रहा है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि मलमास मेले के दौरान राजगीर में 33 करोड़ देवी–देवताओं का वास होता है। इसी आस्था के कारण लाखों श्रद्धालु इस अवधि में राजगीर पहुंचकर विभिन्न कुंडों में स्नान, पूजा–अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। लेकिन समय के साथ इस मेले की सांस्कृतिक पहचान में बड़ा बदलाव आया है। एक समय था जब मलमास मेले में लगने वाला थिएटर लोगों के मनोरंजन का सबसे बड़ा माध्यम हुआ करता था। थिएटर केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला मंच था। वहां प्रस्तुत नाटक सामाजिक कुरीतियों, पारिवारिक मूल्यों, देशभक्ति, प्रेम, त्याग और नैतिकता जैसे विषयों पर आधारित होते थे। गांव से लेकर शहर तक के लोग रातभर बैठकर नाटक देखते थे। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी वर्ग के लोग थिएटर का आनंद लेते थे। लेकिन आज वही थिएटर अपनी मूल पहचान खोता जा रहा है।करीब दो दशक पहले तक राजगीर के मलमास मेले में थिएटर का अलग ही महत्व हुआ करता था। मेले में एक महीने तक प्रतिदिन अलग–अलग नाटक खेले जाते थे। कलाकार अपनी अभिनय कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। उस समय थिएटर में पारिवारिक माहौल होता था। लोग पूरे परिवार के साथ नाटक देखने पहुंचते थे। मंच पर कलाकारों की संवाद शैली, संगीत, भाव–भंगिमा और सामाजिक संदेश लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ते थे। कई नाटक ऐसे होते थे जिन्हें देखने के बाद लोग घंटों तक उसकी चर्चा करते थे। उस दौर में थिएटर केवल व्यवसाय नहीं था, बल्कि कला और संस्कृति का जीवंत उदाहरण था। स्थानीय कलाकारों को मंच मिलता था। लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों को बढ़ावा मिलता था। सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी थिएटर की बड़ी भूमिका थी। दहेज प्रथा, बाल विवाह, शराबबंदी, शिक्षा और महिला सम्मान जैसे विषयों पर आधारित नाटक समाज को सोचने पर मजबूर कर देते थे। धीरे–धीरे समय बदला और थिएटर का स्वरूप भी बदलने लगा। आधुनिकता और बाजारवाद की दौड़ में थिएटर की आत्मा कहीं खो गई। अब नाटक की जगह रिकॉर्डेड गानों पर डांस ने ले ली। अभिनय और संवाद की जगह तेज आवाज वाले संगीत और भड़काऊ प्रस्तुतियां होने लगीं। दर्शकों को आकर्षित करने के नाम पर मंच पर अश्लीलता परोसी जाने लगी। छोटे कपड़ों और उत्तेजक नृत्य को मनोरंजन का साधन बना दिया गया। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि कई बार मंच पर नग्नता जैसी घटनाएं भी सामने आने लगीं। इसका असर समाज पर भी पड़ा। परिवार के साथ थिएटर देखने जाने की परंपरा धीरे–धीरे समाप्त होने लगी। महिलाएं और बुजुर्ग थिएटर से दूरी बनाने लगे। जिस मंच पर कभी सामाजिक संदेश दिए जाते थे, वहां अब केवल सस्ते मनोरंजन का प्रदर्शन होने लगा। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने कई बार इस पर चिंता जताई। धार्मिक नगरी राजगीर की सांस्कृतिक गरिमा को ठेस पहुंचने लगी। लोगों का कहना था कि जहां एक ओर मलमास मेले में करोड़ों देवी–देवताओं के वास की मान्यता है, वहीं दूसरी ओर उसी मेले में अश्लीलता का प्रदर्शन बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।लगातार बढ़ती शिकायतों के बाद जिला प्रशासन को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। थिएटर परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने लगे। प्रशासन की निगरानी बढ़ाई गई ताकि अश्लील कार्यक्रमों पर रोक लगाई जा सके। कई बार आयोजकों को चेतावनी भी दी गई। इसका असर कुछ हद तक दिखाई दिया और खुलेआम अश्लील प्रदर्शन पर नियंत्रण लगा। हालांकि प्रशासनिक कार्रवाई के बाद भी थिएटर अपनी पुरानी गरिमा वापस नहीं पा सका। अश्लीलता में कुछ कमी जरूर आई, लेकिन नाटक पूरी तरह समाप्त हो गए। अब अधिकांश थिएटर केवल रिकॉर्डेड गानों पर आधारित डांस कार्यक्रमों तक सीमित हो गए हैं। कलाकारों की अभिनय कला, संवाद और सामाजिक संदेश गायब हो चुके हैं। दर्शकों को अब वह पारिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण नहीं मिलता, जो कभी इस मेले की पहचान हुआ करता था। कला और संस्कृति से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि प्रशासन और समाज दोनों मिलकर प्रयास करें तो थिएटर की पुरानी पहचान को फिर से जीवित किया जा सकता है। मलमास मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत भी है। ऐसे में यहां लोकनाट्य, भिखारी ठाकुर शैली के नाटक, भोजपुरी–मगही सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामाजिक संदेश देने वाले कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। स्थानीय कलाकारों को मंच देकर उनकी प्रतिभा को निखारा जा सकता है। विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर नाट्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर नई पीढ़ी को थिएटर से जोड़ा जा सकता है। यदि सरकार और प्रशासन सांस्कृतिक समितियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम आयोजित कराएं तो मेले की खोई हुई गरिमा फिर लौट सकती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि मनोरंजन और अश्लीलता के बीच अंतर समझा जाए। मनोरंजन समाज को स्वस्थ दिशा देने वाला होना चाहिए, न कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाने वाला। राजगीर जैसे धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल पर आयोजित मेले में प्रस्तुत होने वाले कार्यक्रमों का स्तर भी उसी अनुरूप होना चाहिए। 2026 में 17 मई से 15 जून तक एक बार फिर राजगीर में मलमास मेले का आयोजन होने जा रहा है। ऐसे में लोगों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस बार अश्लीलता पर पूरी तरह रोक लगा पाएगा? क्या थिएटर अपनी पुरानी सांस्कृतिक पहचान वापस हासिल कर सकेगा? क्या आने वाली पीढ़ी फिर से सामाजिक और पारिवारिक नाटकों का आनंद ले पाएगी? यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है। जब तक दर्शक स्तरहीन कार्यक्रमों को स्वीकार करते रहेंगे, तब तक बदलाव संभव नहीं होगा। लोगों को भी अच्छे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा। राजगीर का मलमास मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। इसकी गरिमा और पवित्रता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि समय रहते प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियां केवल किताबों में पढ़ेंगी कि कभी राजगीर के थिएटर समाज को दिशा देने वाले मंच हुआ करते थे। आज जरूरत

# अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक ने रेफरल अस्पताल कल्याण विगहा का किया निरिक्षण

**केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)।** बिहार राज्य स्वास्थ्य सोसायटी में अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक कुमार गौरव(आईएएस) पूर्व सीएम नीतीश कुमार के पत्नि प्रख्यात शिक्षिका स्व. मंजू सिन्हा के 14वीं पुण्यतिथि को लेकर स्थानीय प्रखंड के कल्याण विगहा पहुचें थे।इस दौरान अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक कुमार गौरव ने कल्याण विगहा रेफरल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।उन्होनों प्रसव कक्ष, ओटी ,ओपीडी ,दवा भंडार,ईसीजी ,ऑनलाइन पर्ची के लिए मरीजों के लिए लगे क्यूआर समेत अन्य का निरिक्षण किया।इस दौरान उन्होंनों अस्पताल भवन को भी देखा।जिसमें अस्पताल के भवन जर्जर था।साथ ही जगह का अभाव को देखा।इसको लेकर अस्पताल के प्रभारी डॉ राकेश कुमार रंजन ने कहा कि अस्पताल भवन की मरम्मती हेतु वरीय अधिकारी को चिट्ठी भेजी गयी है।इस दौरान उन्होनों जरुरी सुविधा जैसै डॉक्टर, एक्स–रे दवा भंडार,एंबुलेंस,बेड,साफ–सफाई,जेनरेटर आदि की भी जानकारी दी। प्रभारी डॉ राकेश ने कहा कि फिलहाल आठ डॉक्टर की तैनाती है।जबकि 254 प्रकार के दवाएं अस्पताल में उपलब्ध है।तकरिबन 20 मिनट तक अस्पताल में रूक कर निरिक्षण किए।मौके पर नालंदा सिविल सर्जन जय प्रकाश सिंह,डीपीएम श्याम कुमार निर्मल,हरनौत पीएचसी के एम ओआईसी डॉ राजीव रंजन सिन्हा, बीएमएंडई मनोज ,डॉ चंद्रभूषण,डॉ अविनाश समेत अन्य मौजूद थे।

# प्रखंड में 18 मई तक बनेगी किसानों की फार्मर आईडी

**केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)।** हरनौत प्रखंड में किसानों की फार्मर आईडी बनाने का कार्य एक बार फिर से शुरू कर दिया गया है। प्रशासन के निर्देश पर यह अभियान 18 मई तक चलाया जाएगा। इसके तहत आधार कार्ड के माध्यम से पंजीकृत किसानों की फार्मर आईडी तैयार की जा रही है, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ब्रजकिशोर चरण ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में करीब 11 हजार किसान पंजीकृत हैं। इसके पूर्व में लगभग 57 प्रतिशत किसानों का आधार कार्ड से फार्मर आईडी बनाया जा चुका है। शेष किसानों की प्रक्रिया पूरी करने के लिए डीएम के निर्देश पर दोबारा अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों के आधार कार्ड पर अंकित नाम से खाता–खसरा में जमीन दर्ज है, उन्हीं की फार्मर आईडी बन सकेगी। यदि नाम में त्रुटि या अंतर है तो किसानों को पहले परिमार्जन कराकर आधार कार्ड के अनुसार जमीन की जमाबंदी करानी होगी। इसके बाद ही उनके नाम से फार्मर आईडी जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी बनने से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, अनुदान प्राप्त करने और बैंक से कृषि ऋण लेने में काफी सुविधा होगी।

# दैली में 24 घंटे का अखंडन कीर्तन शुरू, गांव में भक्तिमय

**केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)।** हरनौत प्रखंड क्षेत्र के दैली गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास स्थित महादेव मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन बृहस्पतिवार से शुरू हो गया है।इसमें दैली के अलावा अन्य गांवों के कीर्तन मंडली लोग शामिल हुए। कीर्तन मंडली के साथ–साथ गांव के बुजुर्ग, युवा, बालक–बालिकाएं एवं महिला–पुरुष शामिल हो रहे है। गांव में हरे राम, हरे राम, राम–राम हरे–हरे और हरे कृष्ण, हरे–हरे से भक्तिमय माहौल बना है।इस अवसर पर पूरे गांव में भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है।वहीं इस धार्मिक कार्यक्रम के आयोजक दैली गांव निवासी राम लखन सिंह के पुत्र डॉ राजीव रंजन ने बताया कि गांव में सुख–समृद्धि के लिए अखंडन कीर्तन शुरू किया गया है।वहीं धार्मिक अनुष्ठान में ग्रामीण रविकांत कुमार शर्मा, लक्षण कुमार,नरेद्र प्रसाद,जोगिद्र प्रसाद,मुकेश कुमार,धनश्याम सहित अन्य लगे हुए है।

# राजगीर में श्रद्धा और सेवा भाव से मनाया गया समर्पण दिवस, श्रद्धा और सेवा भाव से मनाया गया समर्पण दिवस

**केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)।** संत निरंकारी मिशन ब्रांच कृष्णा कॉलनी बस स्टैंड राजगीर में 'समर्पण दिवस' श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया गया। यह दिवस पूर्व सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के जीवन, प्रेम और मानवता के प्रति उनके असीम समर्पण को समर्पित है। 13 मई 2016 को कनाडा में एक सड़क दुर्घटना में बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ब्रह्मलीन हो गए थे। उनके द्वारा दिए गए मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए हर साल 13 मई को देश–विदेश में समर्पण दिवस मनाया जाता है। महात्मा राजीव ने कहा कि बाबा हरदेव सिंह जी ने जाति, धर्म और भाषा से ऊपर उठकर वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यवहार में लाने पर जोर दिया था। मिशन के वर्तमान सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिशा–निर्देश में यह परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है।

इस मौके पर मुखी रामविलास प्रसाद, सेवादल संचालक भीम चौधरी, संचालिका अनिता कुमारी गुप्ता, बेबी बहन, रमेश पान, फूटो बहन, लक्ष्मी देवी, लेखापाल बंगाली राजवंशी, कैशियर नंदू महात्मा, निर्मला बहन सहित अन्य मौजूद थे।

# 351 कलशों के साथ निकली भव्य शोभा यात्रा आज से होगा 24 घंटे का अखंड कीर्तन

**केशववाणी गिरियक (नालंदा)।** गिरियक प्रखंड के बरछीबीघा गांव में गुरुवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में 351 कलश शामिल किए गए। शुक्रवार सुबह 9 बजे से गांव स्थित शिव मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन शुरू होगा। बरछीबीघा गांव के श्रद्धालुओं ने 351 कलशों के साथ पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ शोभा यात्रा निक. ाली। यात्रा में 9 घोड़ों के रथ, पालकी तथा बैंड–बाजे भी आकर्षण का केंद्र रहे। 'जय श्री राम' के उद्घोष से पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूब गया। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पंचाने नदी स्थित विष्णुधाम से जल भरकर शिव मंदिर परिसर में स्थापित किया। इसी अवसर पर पुरोहित अजीत पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई।पुरोहित अजित पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार सुबह 9 बजे से शुरू होने वाला 24 घंटे का अखंड कीर्तन क्षेत्र में सुख–शांति और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की आस्था और भगवान की कृपा से यह आयोजन संभव हो पाया है, जिससे गांव में धन–संपदा और खुशहाली आती है। वहीं पुजारी राजेंद्र यादव ने बताया कि अखंड कीर्तन के समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में बरछीबीघा गांव के ग्रामीणों ने तन, मन और धन से पूरा सहयोग दिया है।

# नालंदा में मिशन मोड में बनेगी किसानों की फार्मर आईडी

## जागरूकता रथ को जिला कृषि पदाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी, 30 जून तक चलेगा अभियान

**केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)।** एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत नालंदा जिले में फार्मर रजिस्ट्री अभियान को पुनः मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार ने बुधवार को जिला कृषि कार्यालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 12 मई 2026 से 30 जून 2026 तक चलाया जाएगा। जागरूकता रथ जिले के तीन अनुमंडलों एवं सभी 20 प्रखंडों में भ्रमण कर किसानों को फार्मर आईडी के प्रति जागरूक करेगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की एग्री स्टैक परियोजना के तहत किसानों की डिजिटल पहचान तैयार की जा रही है, जिससे उन्हें कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके।

**1 लाख से अधिक किसानों की बन चुकी है फार्मर आईडी**

जिला कृषि पदाधिकारी ने मीडिया को संबो. धित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी एवं कर्मी मिशन मोड में कार्य करते हुए शत–प्रतिशत किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अब तक कृषि विभाग एवं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले के लगभग 1,06,190 किसानों की फार्मर आईडी तैयार की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से लेकर जिला स्तर तक इस अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है तथा किसी भी तकनीकी या प्रक्रियागत समस्या के समाधान के लिए त्वरित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। कृषि एवं राजस्व विभाग के संयुक्त प्रयास से अभियान को और गति मिलने की उम्मीद है।**इस तरह बनती है फार्मर आईडी**

फार्मर आईडी निर्माण की प्रक्रिया में सबसे पहले कृषि विभाग के कृषि सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के माध्यम से किसानों का ई–केवाईसी किया जाता है। इसके बाद राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकृत कर्मियों द्वारा किसानों के नाम से जमाबंदी प्रविष्टि की जाती है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसानों को फार्मर आईडी उपलब्ध करा दी जाती है।

**किसान खुद भी करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन**

जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर में बदलाव करते हुए किसानों को स्वयं फार्मर रजिस्ट्री कराने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। किसान कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या ऑनलाइन माध्यम से भी अपना फार्मर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित एवं जिन किसानों के नाम से जमाबंदी उपलब्ध है, वे शिविर मेंपहुंचकर आसानी से फार्मर आईडी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं जिन किसानों के नाम से जमाबंदी उपलब्ध नहीं है, वे आवश्यक परिमार्जन कराकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। जिला कृषि पदाधिकारी ने जिले के सभी किसानों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपना फार्मर रजिस्ट्रेशन अवश्य करा लें, ताकि कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उन्हें समय पर मिल सके। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि अभियंत्रण अभिमन्यु कुमार, सहायक निदेशक रसायन दुर्गा रंजन, सहायक निदेशक (शस्य) एवं बीज विश्लेषण धन्नंजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

# राजद प्रत्याशी की जीत लोकतंत्र की जीत – दीपक कुमार

**केशववाणी बिहारशरीफ (नालंदा)।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता दीपक कुमार ने आरा–बक्सर स्थानीय निकाय क्षेत्र से राजद के विधान परिषद प्रत्याशी सोनू राय की जीत को लोकतंत्र की जीत बताया है। उन्होंने बयान जारी कर इस जीत पर राजद के कार्यकारी अध्यक्ष ज्मरौप ल्कंअ को बधाई दी। दीपक कुमार ने कहा कि सोनू राय की जीत यह साबित करती है कि लोकतंत्र को मजबूत और सुरक्षित रखने के लिए चुनाव मतपत्र (बैलेट पेपर) से कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि नेता तेजस्वी यादव लगातार मतपत्र से चुनाव कराने की मांग उठाते रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने इस मांग की अनदेखी की। उन्होंने आगे कहा कि आज के चुनाव परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार में "जनतंत्र" नहीं बल्कि "मशीन तंत्र" की जीत हुई थी। दीपक कुमार ने दावा किया कि बैलेट पेपर से हुए चुनाव में जनता की वास्तविक भावना सामने आई है।

# अहमदाबाद गांव में रास्ते के विवाद को लेकर मारपीट,एक जख्मी

**केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट इस्लामपुर (नालंदा)।** खोदागंज थाना क्षेत्र के महमूदा पंचायत के अहमदाबाद गांव में रास्ते को लेकर दो गुटों के बीच शुरू हुई विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट की इस घटना में एक युवक जख्मी हो गया, जिसके बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल कायम हो गया। जख्मी युवक की पहचान अहमदाबाद गांव निवासी सुधीर कुमार के रूप में की गई है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार गांव में रास्ते के उपयोग और आने–जाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। गुरुवार को इसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो धीरे–धीरे उग्र हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान सुधीर कुमार जख्मी हो गया।घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच–बचाव कर मामला शांत कराया। जख्मी को परिजनों एवं ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में चर्चा का माहौल गर्म हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते विवाद का समाधान नहीं हुआ तो आगे और तनाव बढ़ सकता है।इधर, इस संबंध में थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार गहलौत ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद घटना की जांच कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।